**अन्तःकालीन स्थगन के लिए धारा 151 सि. प्र. सं. के अधीन आवेदन पत्र**

उच्च न्यायालय...

सी. एम. सं......................... सन् ...................

इन

सी. डब्लू. सं. सन्................

**अबक**  ........ (वादी)

बनाम

**कखग**  ......... (प्रतिवादी)

सादर प्रदर्शित करता है

1. यह कि आवेदक / याची ब्यौरेवार प्रकथनों तथा उन अभिकथनों........... सं................ उसकी भूमि (निर्मित भूमि) से याची के बलात् बेदखली की प्रत्यर्थी की कार्यवाही के विरुद्ध साथ दी जाने वाली रिट याचिका आज दाखिल की गयी है जिन्हें इस आवेदन पत्र के विनिश्चय के लिए उसको ही निर्देशित करने के लिए इस उच्च न्यायालय की इजाजत की माँग करने वाले स्रोत संग्रह के लिए इसमें दोहराया नहीं जा सकेगा।
2. यह कि कलक्टर ने याची से कथित भूमि पर कब्जा नहीं प्राप्त किया और प्रत्यर्थी प्राधिकारी को उसके ही आगे नहीं बढ़ाया और याची का निरंतर कब्जा है फिर भी प्रत्यर्थी बलात् कब्जा ग्रहण करने तथा याची के निर्माण को विध्वंस करवाने पर विवश करता है।
3. यह कि सुविधा का संतुलन प्रश्नगत भूमि पर उसका कब्जा होने के कारण याची के पक्ष में है। सदैव से ही उसके पिता ने इसका निर्माण करवाया।
4. यह कि एक दाण्डिक न्यायालय में अभियोजन कार्यवाहियों को भी खो देने वाला पाधिकारी प्रत्यर्थी स्वयम् के हाथों में तथा न्याय की यह माँग की उसके कब्जे को संरक्षण प्रदान करने के लिए याची के पक्ष में मंजूर किये जाने के लिए गुणागुणों पर प्रत्यर्थी प्राधिकारी की सनवाई किए बिना भी अन्तःकालीन स्थगन के कानून को स्वयं के हाथों लेने पर झुका दिया जाता है या अन्यथा उसकी उस प्रत्यर्थी प्राधिकारी के हाथों अपूर्णनीय हानि होगी जिसको धन के निबन्धनों में पूरा किये जाने की संभावना नही होती।

यह निवेदन किया जाता है कि प्रत्यर्थी पर उसके कब्जे में याची के होने कारण उस स्थगन की मंजूरी द्वारा कोई प्रतिकूल प्रभाव किसी भी रूप में नहीं डाला गया।

अतएव, यह अति सादर पूर्वक प्रार्थना की जाती है कि यह आदरणीय न्यायालय रिट याचिका के विनिश्चय तक बेकब्जा एवम् ढहा दिये जाने के विरुद्ध अन्तःकालीन स्थगन को मंजूरी प्रदान करने की कृपा करें।

**याची**

**जरिये**

**अधिवक्ता**

.

**शपथपत्र**

.

.

.

उच्च न्यायालय.............

.

सी.एम.सं..............सन............

**अबक**  ........ (वादी)

बनाम

**कखग**  ......... (प्रत्यर्थी)

मै.........पुत्र................. ............निवासी..............निम्नलिखित रूप में सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूँ और घोषणा करता हूँ।

1. यह कि मैं ऊपर रिट याचिका में याची हूँ और अतएव, मामले के तथ्यों एवम् परिस्थितियों से सुपरिचित हूं।
2. यह कि साथ-साथ दिये गये स्थगन आवेदन पत्र मेरे अनुदेशों के अधीन मेरे काउन्सिल द्वारा प्रारूप दिया गया है जिसकी अन्तर्वस्तु मेरी जानकारी में सही है।

**शपथकर्ता**

**सत्यापन**

......मैं इस तारीख................ को यह सत्यापित किया गया कि मेरे ऊपर शपथपत्र की अन्तर्वस्तुएँ मेरी जानकारी में सत्य एवम् सही है। इसका कोई भी मिथ्या है और कोई भी बात उससे नहीं छिपायी गयी है।

**शपथकर्ता**